12 अनुस्वार (ं), चंद्रबिंदु (ँ) और विसर्ग (:) की मात्रा

अनुस्वार (ं) की मात्रा

ह + ं + स = हंस

प + ं + ख = पंख

श + ं + ख = शंख

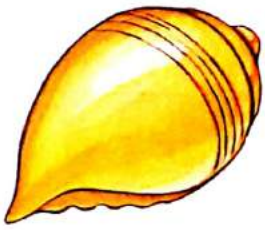

प + त + ं + ग = पतंग

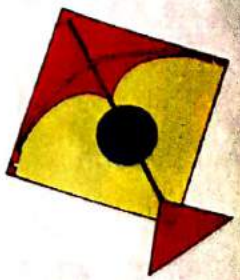

ल + ं + गू + र = लंगूर

शिक्षण संकेत: अध्यापक/अध्यापिका विद्यार्थियों को अनुस्वार (ं) से संबंधित अन्य उदाहरणों के द्वारा अभ्यास कराएँ।

Scanned with CamScanner

अंग	संग	दंग	पंख
दंगल	मंगल	बंधन	जंगल
पतंग	लंगूर	बंदर	अंगूर
नंदन	चंदा	सुंदर	हंस

Learn

ले अंगूर भागता बंदर।
चिड़ियों का पर लगता सुंदर।
सभी खेल-खेलें हम संग।
करते नहीं कभी हुड़दंग।
प्रेम-भाव का सुंदर बंधन।
एक-दूसरे का अभिनंदन।
हंस सदा पानी में रहता।
नीर-क्षीर को भिन्न है करता।

'अकिंचन'

Learn

रात गगन में चंदा चमके।
उसके संग में तारे दमकें।
स्वच्छ चांदनी बिछी हुई है।
स्वागत में वह खड़ी हुई है।

Scanned with CamScanner

चंद्रबिंदु (ँ) की मात्रा

बा + ँ + सु + री = बाँसुरी

कु + आ + ँ = कुआँ

चा + ँ + द = चाँद

बू + ँ + द = बूँद

गाँव में हरे-भरे खेत हैं। रात में चाँद चमकता है। कुएँ के पास औरतें खड़ी हैं। वहाँ पर नदी है। यहाँ से चूहा भाग रहा है। छाँव में बैठो। हँसते हुए बच्चे अच्छे लगते हैं।

Scanned with CamScanner

छाँव	गाँव	पाँव	आँख	ऊँट
वहाँ	जहाँ	कहाँ	झाँकना	ताँकना
आँकना	आँचल	आँगन	हँसना	यहाँ
घूँघट	मूँछ	बूँद	बाँसुरी	कुआँ

Learn

गोप-गोपियों के संग मिलकर,
मोहन गाय चराते।
यमुना-तट कंदब पर चढ़कर,
बंशी मधुर बजाते।
गऊएँ घास दूर्बा चरतीं,
दूध खूब हैं देतीं।
संध्या गोधूली में चरके,
घर को वापिस फिरतीं।
द्वार खड़ी नववधू नवेली,
मोहन को हैं लखतीं।
प्रेम-हास्य-विनोद की बातें,
हँस-हँसकर हैं करतीं।

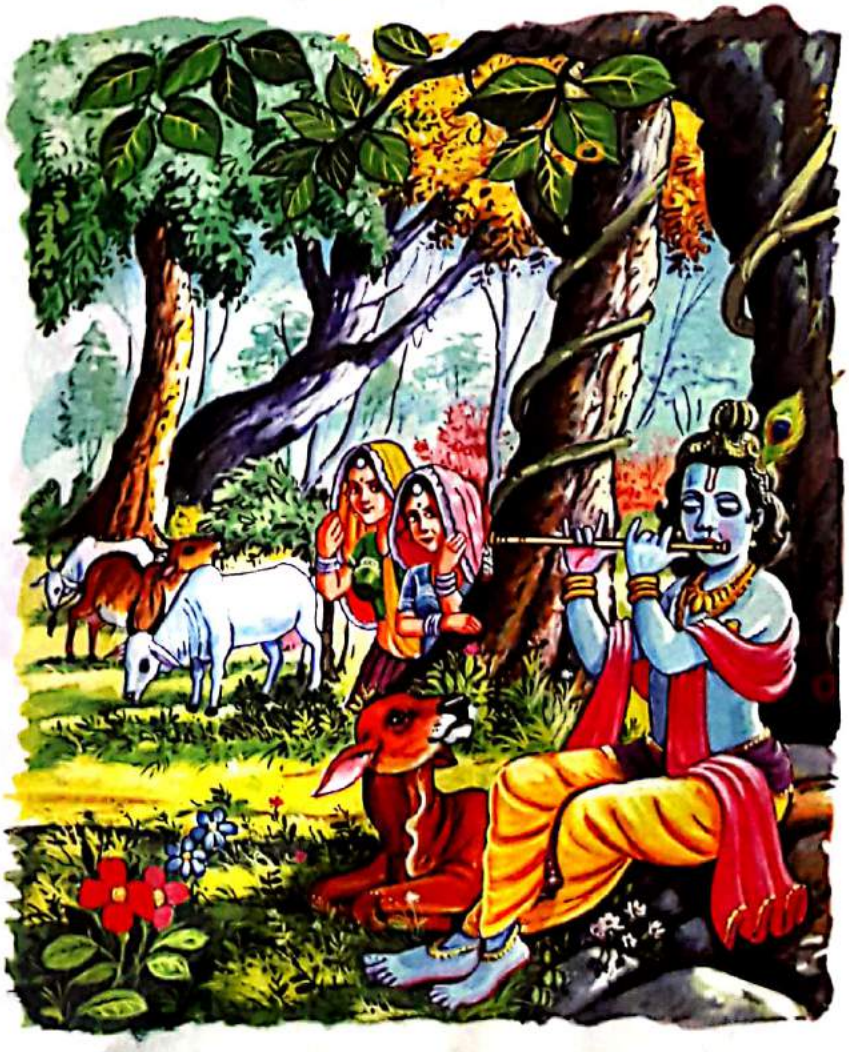

Scanned with CamScanner

विसर्ग (:) की मात्रा

प्रा + त + : = प्रातः

ख + ग + : = खगः

न + म + : = नमः

अ + हा + : = अहाः

पुनः प्रायः फलतः अतः खगः
अहाः स्वतः अंततः छः प्रातः

रमेश प्रातः छः बजे उठता है। सूरज निकल आया। माता-पिता को नमः कर। बाहर खगः को दाना डाल। प्रातः काल की सैर पर जा।

Scanned with CamScanner

अभ्यास

मौखिक-

1. पढ़िए और शुद्ध उच्चारण कीजिए-

पंख	पतंग	बंदर	जंगल
गाँव	बासुँरी	बूँद	आँगन
प्रातः	फलतः	खगः	नमः

लिखित-

2. चित्रों को उनके नाम के साथ मिलाए-

(क) बाँसुरी (i)

(ख) कुआँ (ii)

(ग) बूँद (iii)

(घ) घंटियाँ (iv)

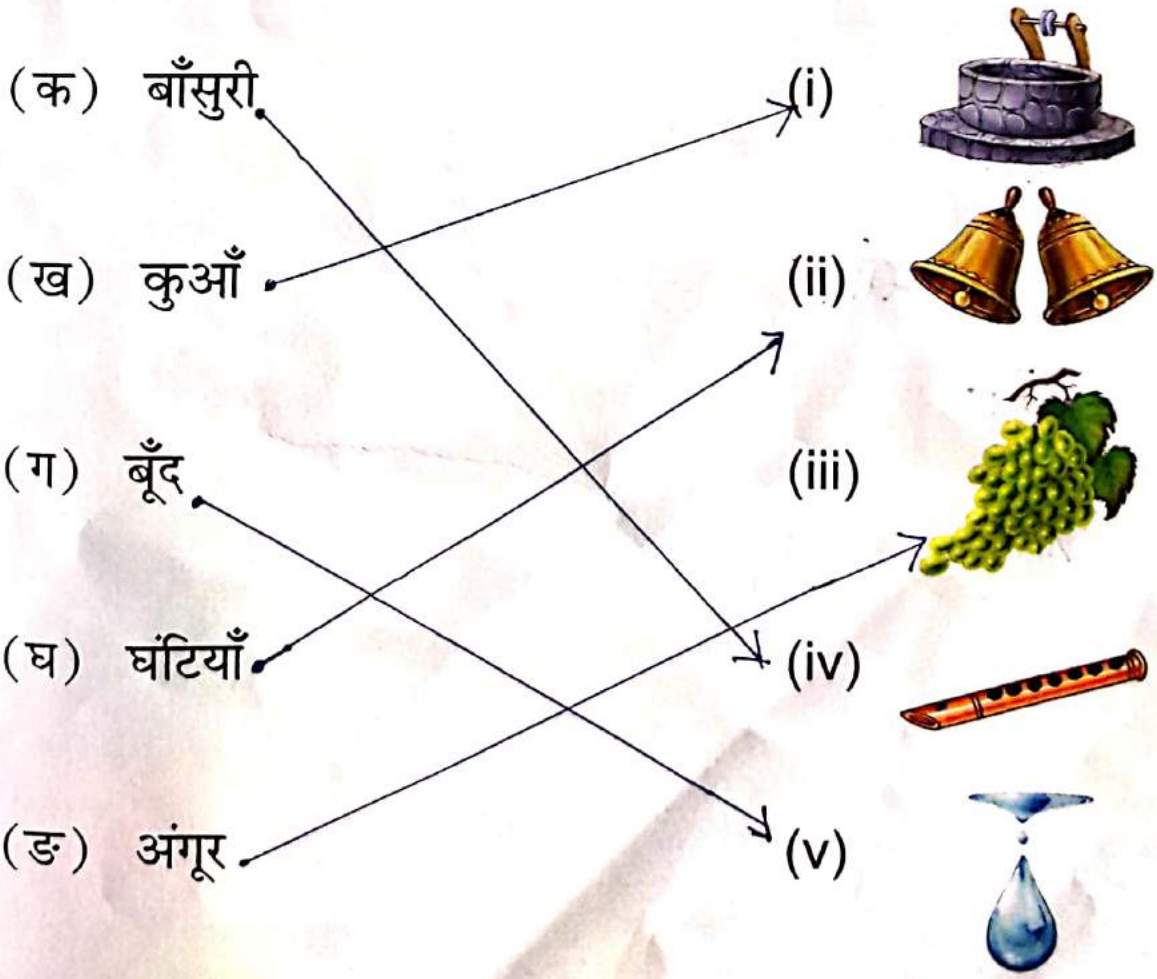

(ङ) अंगूर (v)

Scanned with CamScanner

3. वर्णों को मिलाकर रिक्त स्थानों में सही शब्द लिखिए-

(क) क + ं + ज + ू + स = कंजूस

(ख) न + म + : = नमः

(ग) प + ाँ + व = पाँव

(घ) ऊ + ँ + ट = ऊँट

(ङ) अ + ं + ग = अंग

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) बंदर पेड़ पर बैठा है। (बंदर / शेर)

(ख) सपेरा साँप लाया है। (कबूतर / साँप)

(ग) गाँव में किसान खेती करते हैं। (नगर / गाँव)

(घ) प्रातः सैर करना अच्छा होता है। (दोपहर / प्रातः)

Scanned with CamScanner